दयालु दया कर | By V.N. Rasik

सुनो श्याम ज़रा जज्बात मेरे छिपे दिल के राज़ सुनाऊँ मैं
रसिक बिहारी तुम माशूक़ बनो मेरे, दया सागर आशिक़ बन जाऊं मैं

दयालु दया कर दया चाहता हूँ
दिखा दे दर्शन यही चाहता हूँ

मेरे मन के मंदिर में हो तेरी मूरत
नैनो में छाई रहे तेरी ही सूरत
किस पल मिलोगे बता दो महूरत
मैं हूँ श्याम तेरा तुम्हे चाहता हूँ

विरह की लगन मेरे मन में जगा दे
तेरे प्रेम की आग दिल में लगा दे
बना अपना पागल दीवाना बना दे
तेरे प्रेम की इक झलक चाहता हूँ

तेरे नाम पे श्याम बदनाम होकर
तेरे मैं पीछे सब बैठा हूँ खो कर
ज्योतिष रसिक सिर्फ तेरा ही होकर
छिपा तुमसे क्या है मैं क्या चाहता हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%81-%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b0-%e0%a4%a6%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b9%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%81-by/